No. of Printed Pages : 7

MHD-10

कला में स्नातकोत्तर (हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम. एच. डी.-10 : प्रेमचंद की कहानियाँ

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : (*i*) **प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।**

(*ii*) शेष में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 10

(क) एक दिन संध्या समय, होस्टल से दूर मैं एक कनकौआ लूटने बेतहाशा दौड़ा जा रहा था। आँखें आसमान की ओर थीं और मन उस आकाशगामी पथिक की ओर, जो मन्द गति से झूमता पतन की ओर चला जा रहा था, मानो कोई आत्मा स्वर्ग से निकलकर विरक्त मन से नये संस्कार ग्रहण करने आ रही हो। बालकों की पूरी सेना लग्गे और झाड़दार बाँस लिये इनका स्वागत करने को दौड़ी आ रही थी। किसी को अपने

आगे-पीछे की खबर न थी। सभी मानो उस पतंग के साथ ही आकाश में उड़ रहे थे, जहाँ सब कुछ समतल है, न मोटरकारें हैं, ट्राम, न गाड़ियाँ।

(ख) 'प्रिय आनन्द,

मैं जानता हूँ कि मैं जो कुछ करने जा रहा हूँ वह मेरे लिए हितकर नहीं है; पर न जाने कौन-सी शक्ति मुझे खींचे लिये जा रही है। मैं जाना नहीं चाहता, पर जाता हूँ, उसी तरह जैसे आदमी मरना नहीं चाहता, पर मरता है; रोना नहीं चाहता; पर रोता है। जब सभी लोग, जिन पर हमारी भक्ति है, ओखली में अपना सिर डाल चुके थे, तो मेरे लिए भी अब कोई दूसरा मार्ग नहीं है। मैं अब

और अपनी आत्मा को धोखा नहीं दे सकता। यह इज्जत का सवाल है, और इज्जत किसी तरह का समझौता नहीं कर सकती। तुम्हारा—'विश्वम्भर'।

(ग) लेकिन गधे का एक छोटा भाई और भी है, जो उससे कम ही गधा है, और वह है 'बैल'। जिस अर्थ में हम गधा का प्रयोग करते हैं; कुछ उसी से मिलते-जुलते अर्थ में 'बछिया के ताऊ' का भी प्रयोग करते हैं। कुछ लोग बैल को शायद बेवकूफों में सर्वश्रेष्ठ कहेंगे; मगर हमारा विचार ऐसा नहीं है। बैल कभी-कभी मारता भी है, कभी-कभी अड़ियल बैल भी देखने में आता है। और भी कई रीतियों में अपना असन्तोष प्रकट

कर देता है; अतएव उसका स्थान गधे से नीचा है।

(घ) दुखी अपने होश में न था। न जाने कौन-सी गुप्त शक्ति उसके हाथों को चला रही थी। उसकी थकान, भूख, कमजोरी सब मानो भाग गई। उसे अपने बाहुबल पर स्वयं आश्चर्य हो रहा था। एक-एक चोट वज्र की तरह पड़ती थी। आध घण्टे तक वह इसी उन्माद की दशा में हाथ चलाता रहा, यहाँ तक कि लकड़ी बीच से फट गई और दुखी के हाथ से कुल्हाड़ी छूटकर गिर पड़ी। इसके साथ ही वह भी चक्कर खाकर गिर पड़ा। भूखा, प्यासा, थका हुआ शरीर जवाब दे गया।

2. स्वाधीनता आन्दोलन के सन्दर्भ में प्रेमचंद की कहानियों का विश्लेषण कीजिए। 10

3. प्रेमचंद की कहानी-कला पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'बेटों वाली विधवा' कहानी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। 10

5. 'जुलूस' कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10

6. 'सवा सेर गेहूँ' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ कीजिए : प्रत्येक 5

(क) आधुनिक दलित सन्दर्भ और प्रेमचंद

(ख) वृद्धावस्था की मनोवैज्ञानिकता और 'बूढ़ी काकी'

(ग) पारिवारिक यथार्थ **बनाम** 'सुजान भगत'

(घ) औपनिवेशिक शासन व्यवस्था और प्रेमचंद